AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY

Where tradition meets innovation

ACSA

15 से 21 मार्च 2023

साप्ताहिक करेंट अफेयर्स

For

UPSC / RPSC EXAMS

and All Other Competitive

* एटीएल सारथी क्या है
* IBA महिला विश्व मुक्केबाजी चौंपियनशिप 2023
* पूर्वी अफ्रीकी दरार क्या है
* पावर बिजनेस ब्रेकफास्ट एंड नेटवर्किंग
* ब्राजील जलवायु परिवर्तन के कारण वनों को खो रहा है
* हेल्थकेयर पहुंच और गुणवत्ता में सुधार

A UNIT OF
AGRAWAL PG COLLEGE
Affiliated to University of Rajasthan | Managed by Shri Agrawal Shiksha Samiti
(A Co-Educational College)

+91-8824395504, +91-8290664069
www.acsajaipur.com
Agrasen Katla, Maharaja Agrasen Marg,
Agra Road, Jaipur - 302003

Current Affairs 15-03-2023 to 21-03-2023

क्या है इंडोनेशिया का डॉन स्कूल ट्रायल?

डॉन स्कूल का परीक्षण इंडोनेशिया के कुपांग शहर में लागू किया गया एक विवादास्पद प्रयोग है। इस क्षेत्र के 10 स्कूलों में लागू की गई पायलट परियोजना में 12वीं कक्षा के छात्रों को "बच्चों के अनुशासन को मजबूत करने" के प्रयास में सुबह 5:30 बजे शुरू होने वाली कक्षाओं में भाग लेने की आवश्यकता है। हालाँकि, इस योजना के परिणामस्वरूप छात्रों में नींद की कमी हो गई है, माता-पिता और विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य संबंधी खतरों पर चिंता जताई है।

इंडिया वेंचर कैपिटल रिपोर्ट 2023:

बैन एंड कंपनी की वार्षिक इंडिया वेंचर कैपिटल रिपोर्ट 2023 से पता चलता है कि 2022 में भारत में वेंचर कैपिटल निवेश में 38.5 बिलियन डॉलर से 25.7 बिलियन डॉलर के डील वैल्यू में 33% की कमी देखी गई।

लेट-स्टेज बड़े सौदे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए

डील वैल्यू में कमी का सबसे ज्यादा असर लेट-स्टेज के बड़े सौदों पर पड़ा। इसे आर्थिक अनिश्चितता के आलोक में निवेशकों द्वारा अपनाए गए सतर्क दृष्टिकोण के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। नतीजतन, निवेशकों ने अपनी पूंजी को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया और अपने निवेश के साथ अधिक चयनात्मक थे।

प्रारंभिक चरण के सौदों में गति देखने के लिए जारी है

बाद के चरण के बड़े सौदों के विपरीत, शुरुआती चरण के सौदों में भारत में गति देखी जा रही है। इसके परिणामस्वरूप सौदे की मात्रा में मामूली विस्तार हुआ। रिपोर्ट से पता चलता है कि निवेशक प्रारंभिक चरण के सौदे को दोगुना कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि यह भारत की विकास क्षमता को हासिल करने का सबसे अच्छा तरीका है।

न्यू यूनिकॉर्न के मामले में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है

लगातार दूसरे वर्ष, भारत ने बनाए गए नए यूनिकॉर्न के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया। यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि यह उद्यमशीलता और नवाचार के केंद्र के रूप में अपनी बढ़ती प्रतिष्ठा को प्रदर्शित करता है।

भौगोलिक रूप से अधिक लोकतांत्रिक फ़ंडिंग की ओर शिफ्ट करें

रिपोर्ट भारत में भौगोलिक रूप से अधिक लोकतांत्रिक फंडिंग में बदलाव पर प्रकाश डालती है। इसका मतलब यह है कि निवेशक अब मुंबई और बैंगलोर के पारंपरिक केंद्रों से परे देख रहे हैं और देश के अन्य क्षेत्रों में अवसर तलाश रहे हैं।

सास और फिनटेक ने फंडिंग में गति देखना जारी रखा

रिपोर्ट बताती है कि सास और फिनटेक ने 2022 में फंडिंग में गति देखी है। यह आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि ये क्षेत्र हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ रहे हैं और भविष्य में अपने विकास पथ को जारी रखने की उम्मीद है।

इमर्जेंट सेक्टर्स ने रफ्तार पकड़ी

रिपोर्ट में भारत में नए क्षेत्रों के उभरने पर भी प्रकाश डाला गया है। ईवी, एग्रीटेक, जेनेरेटिव एआई, स्पेस टेक और क्लाइमेट टेक जैसे क्षेत्रों ने 2022 में गति प्राप्त की। इन क्षेत्रों से भारत की भविष्य की विकास गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

लचीला पारिस्थितिकी तंत्र 2023 में उभरने के लिए

2022 में चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है कि 2023 में एक अधिक लचीला पारिस्थितिकी तंत्र उभर कर आएगा। निवेशकों से शुरुआती चरण के सौदे को दोगुना करना जारी रखने की उम्मीद है, और एक व्यापक निवेशक आधार के भारत के विकास में भाग लेने की संभावना है।

IQAir की पांचवीं विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट:

IQAir की पांचवीं विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत अभी भी गंभीर वायु प्रदूषण संकट का सामना कर रहा है। रिपोर्ट से पता चला कि हवा में PM2.5 के स्तर के आधार पर 39 भारतीय शहर दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में से थे। यह लेख रिपोर्ट के विवरण और भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए इसके प्रभावों पर चर्चा करेगा।

दिल्ली: सबसे प्रदूषित महानगरीय शहर

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दिल्ली चौथे स्थान पर था, और यह दुनिया का सबसे प्रदूषित महानगरीय शहर भी था। दिल्ली में वार्षिक औसत PM2.5 स्तर 92.6 था, जो सुरक्षित सीमा से लगभग 20 गुना अधिक था। वायु प्रदूषण का यह उच्च स्तर फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। दिल्ली में वायु प्रदूषण का प्राथमिक स्रोत वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण और निर्माण गतिविधियाँ हैं।

भिवाड़ी: भारत का सबसे प्रदूषित शहर

राजस्थान में भिवाड़ी भारत का सबसे प्रदूषित शहर था और दुनिया का तीसरा सबसे प्रदूषित शहर था, जिसका वार्षिक औसत PM2.5 स्तर 92.7 था। भिवाड़ी में वायु प्रदूषण का उच्च स्तर उद्योगों और कारखानों की उपस्थिति के कारण है जो हवा में हानिकारक प्रदूषकों का उत्सर्जन करते हैं। भिवाड़ी के निवासियों को श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर होने का खतरा है।

भारत के अन्य प्रदूषित शहर

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दिल्ली और भिवाड़ी के अलावा कई अन्य भारतीय शहरों का दबदबा है। इन शहरों में पटना, मुजफ्फरनगर, धरबंगा, नोएडा, गुड़गांव, बुलंदशहर, मेरठ, चरखी दादरी, जींद, गाजियाबाद, फरीदाबाद और हिसार शामिल हैं। इन शहरों में वायु प्रदूषण का उच्च स्तर मुख्य रूप से वाहनों के उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण और कृषि अपशिष्ट को जलाने के कारण है।

दिल्ली के पड़ोसी शहरों में प्रदूषण के स्तर में गिरावट

रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के पड़ोसी शहरों गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में प्रदूषण के स्तर में मामूली गिरावट दर्ज की गई। गिरावट गुरुग्राम में 34% से लेकर फरीदाबाद में 21% तक रही। यह एक उत्साहजनक संकेत है, लेकिन इन क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

IBA महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2023

भारत के युवा मामलों और खेल मंत्री, अनुराग सिंह ठाकुर ने नई दिल्ली में 13वीं IBA महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप का उद्घाटन किया, जो मुक्केबाजी की दुनिया में एक बहुप्रतीक्षित घटना की शुरुआत है। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित टूर्नामेंट 16 से 26 मार्च तक होगा, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 2.4 मिलियन डॉलर है।

IBA महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप मुक्केबाजी की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक है, और यह तथ्य कि भारत इसकी मेजबानी कर रहा है, देश में इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है।

भारतीय मुक्केबाज चुनौती के लिए तैयार

भारत ने टूर्नामेंट के लिए एक मजबूत दल मैदान में उतारा है, जिसमें निकहत ज़रीन, लवलीना बोरगोहेन, स्वीटी बूरा और प्रीति इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये मुक्केबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और प्रतियोगिता में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। हालाँकि, उन्हें दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, जिनमें कई ओलंपिक पदक विजेता भी शामिल हैं।

उद्घाटन समारोह

टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह 15 मार्च को आयोजित किया गया था, जिसमें टूर्नामेंट के ब्रांड एंबेसडर, एमसी मैरी कॉम और बॉलीवुड स्टार फरहान अख्तर उपस्थित थे। यह कार्यक्रम एक भव्य समारोह था, जिसमें नर्तकियों और संगीतकारों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

टूर्नामेंट का प्रारूप

इस आयोजन में 65 देशों के 324 मुक्केबाज 12 भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। टूर्नामेंट एक नॉकआउट प्रारूप का अनुसरण करता है, जिसमें प्रत्येक मुक्केबाज़ी में तीन मिनट के तीन राउंड होते हैं। फाइनल में पहुंचने और चैंपियनशिप जीतने के अंतिम लक्ष्य के साथ प्रत्येक बाउट का विजेता अगले दौर में आगे बढ़ेगा।

घटना का प्रभाव

IBA महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप न केवल एक प्रमुख खेल आयोजन है, बल्कि इसका एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव भी है। यह टूर्नामेंट दुनिया भर की महिला मुक्केबाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने और युवा लड़कियों को खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह भारत के लिए अपने खेल के बुनियादी ढांचे और संगठनात्मक क्षमताओं को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का भी एक बड़ा अवसर है।

GPT-4 क्या है?

OpenAI ने एक बड़ी घोषणा की है जिसने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) समुदाय में बहुत चर्चा पैदा की है। कंपनी ने अपनी नवीनतम रचना, GPT-4, एक बड़े मल्टीमॉडल मॉडल का अनावरण किया है जो पाठ और छवि इनपुट दोनों को संसाधित कर सकता है। यह नया भाषा मॉडल अपने पूर्ववर्ती जीपीटी-3 से अपग्रेड है, जो पहले से ही अपने आप में अभूतपूर्व था।

अधिक सटीकता और मानव-स्तर का प्रदर्शन

GPT-4 को कठिन समस्याओं को अधिक सटीकता के साथ हल करने और विभिन्न पेशेवर और शैक्षणिक बेंचमार्क पर मानव-स्तर के प्रदर्शन को प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। भाषा मॉडल इतना शक्तिशाली है कि यह एक सिम्युलेटेड बार परीक्षा को एक स्कोर के साथ पास कर सकता है जो इसे परीक्षार्थियों के शीर्ष 10% के आसपास रखता है। इसके अतिरिक्त, GPT-4 जटिल कर-संबंधी प्रश्नों का उत्तर दे सकता है, तीन व्यस्त लोगों के बीच एक बैठक निर्धारित कर सकता है, या उपयोगकर्ता की रचनात्मक लेखन शैली भी सीख सकता है।

पाठ के 25,000 से अधिक शब्दों को संभालना

GPT-4 में 25,000 से अधिक शब्दों के पाठ को संभालने की प्रभावशाली क्षमता है। यह GPT-3 से एक महत्वपूर्ण सुधार है, जो केवल 2,048 शब्दों तक के पाठ को संभाल सकता है। यह क्षमता इसे शोध पत्रों, पुस्तकों और यहां तक कि कानूनी दस्तावेजों जैसे लंबी-रूप वाली सामग्री को संसाधित करने के लिए आदर्श बनाती है।

उन भाषाओं को समझना जो अंग्रेजी नहीं हैं

GPT-4 की सबसे रोमांचक विशेषताओं में से एक इसकी उन भाषाओं को समझने की क्षमता है जो अंग्रेजी नहीं हैं। यह इसे अन्य भाषाओं के अलावा चीनी, अरबी और फ्रेंच जैसी भाषाओं में टेक्स्ट प्रोसेसिंग के लिए एक आदर्श भाषा मॉडल बनाता है। यह सुविधा GPT-3 से एक महत्वपूर्ण सुधार है, जिसे मुख्य रूप से अंग्रेजी पाठों को संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

GPT-4 के संभावित अनुप्रयोग

GPT-4 के संभावित अनुप्रयोग असंख्य हैं, और प्रौद्योगिकी में विभिन्न उद्योगों को बदलने की क्षमता है। उदाहरण के लिए, कानूनी उद्योग में कानूनी दस्तावेजों और अनुबंधों को संसाधित करने के लिए GPT-4 का उपयोग किया जा सकता है, जो समय बचा सकता है और दक्षता बढ़ा सकता है। इसके अतिरिक्त, भाषा मॉडल का उपयोग चिकित्सा क्षेत्र में चिकित्सा रिकॉर्ड को संसाधित करने और डॉक्टरों को रोगों का सटीक निदान करने में मदद करने के लिए किया जा सकता है।

सऊदी-ईरान डेंटेंट

चीन द्वारा हाल ही में पश्चिम एशिया में सऊदी-ईरान तनाव की घोषणा को दीर्घकालिक आर्थिक हितों को सुरक्षित करने और क्षेत्र में राजनीतिक प्रभाव स्थापित करने के उद्देश्य से एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा गया है। यह सौदा क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निभाई गई पारंपरिक भूमिका को टक्कर देने के लिए तैयार है और वैश्विक राजनीति के लिए इसके दूरगामी निहितार्थ हैं।

चीन के लिए कम जोखिम, उच्च प्रभाव का अवसर

चीन सऊदी-ईरान तनाव को पश्चिम एशिया में अपनी कूटनीतिक और राजनीतिक साख स्थापित करने के लिए "कम जोखिम, उच्च प्रभाव" के अवसर के रूप में देखता है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां चीन के उच्च आर्थिक दांव हैं, और सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंधों का सामान्यीकरण चीन के लिए क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार करने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। इस कदम के साथ, चीन को उम्मीद है कि वह खुद को इस क्षेत्र में एक प्रमुख मध्यस्थ और वैश्विक राजनीति में एक ताकत के रूप में स्थापित करेगा।

आर्थिक हित दांव पर

सऊदी-ईरान तनाव में चीन की दिलचस्पी काफी हद तक आर्थिक विचारों से प्रेरित है। यह क्षेत्र दुनिया के कुछ सबसे बड़े तेल भंडारों का घर है, और चीन अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए इन भंडारों पर बहुत अधिक निर्भर है। सऊदी अरब और ईरान के बीच शांति में तेल बाजार को स्थिर करने और चीन को तेल की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने की क्षमता है। तेल के अलावा, चीन का क्षेत्र में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में भी महत्वपूर्ण निवेश है और वह इन निवेशों की रक्षा करने का इच्छुक है।

राजनीतिक प्रभाव स्थापित करना

यह सौदा चीन के लिए इस क्षेत्र में अपना राजनीतिक प्रभाव स्थापित करने का एक अवसर प्रस्तुत करता है, जिसके लिए वह हाल के वर्षों में प्रयास कर रहा है। सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर, चीन खुद को इस क्षेत्र में एक मध्यस्थ और वैश्विक राजनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने की उम्मीद करता है। यह कदम चीन को इस क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निभाई गई पारंपरिक भूमिका को चुनौती देने और एक ऐसे क्षेत्र में अपने प्रभुत्व का दावा करने की अनुमति देता है जो लंबे समय से पश्चिमी शक्तियों के प्रभाव में रहा है।

वैश्विक राजनीति के लिए निहितार्थ

सऊदी-ईरान तनाव के वैश्विक राजनीति के लिए दूरगामी प्रभाव हैं, और सौदे में चीन की भागीदारी पहले से ही जटिल स्थिति को और जटिल करने के लिए तैयार है। सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंधों के सामान्यीकरण से क्षेत्र में शक्ति संतुलन को फिर से आकार देने और सीरिया, यमन और इराक में चल रहे संघर्षों को प्रभावित करने की क्षमता है। चीन अब सौदे में शामिल होने के साथ, यह जटिलता की एक और परत को पहले से ही जटिल स्थिति में जोड़ता है।

टीवी-डी1 क्या है?

गगनयान मिशन के तहत पहला परीक्षण वाहन प्रदर्शन (टीवी-डी1) मई 2023 को आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य मध्य हवा में गर्भपात प्रक्रिया, पैराशूट प्रणाली और स्पलैशडाउन के बाद चालक दल के सदस्यों की रिकवरी का परीक्षण करना है। प्रदर्शन में क्रू मॉड्यूल को उप-कक्षीय स्तर तक ले जाने के लिए एकल तरल प्रणोदक-आधारित रॉकेट चरण का उपयोग करना शामिल है। इस प्रदर्शन की यह सफलता गगनयान मिशन को मानव को अंतरिक्ष में भेजने के लक्ष्य के एक इंच करीब ले आएगी।

अतिरिक्त प्रदर्शन और क्रू मिशन

इस तरह के दो प्रदर्शनों की सफलता के बाद ही मानव रहित मिशन होगा। दूसरे चालक दल रहित मिशन से पहले दो और परीक्षण वाहन प्रदर्शन होंगे, जिसमें एक दबावयुक्त चालक दल मॉड्यूल होगा। पहला चालक दल मिशन 2024 के अंत या 2025 की शुरुआत के लिए निर्धारित किया गया है, लेकिन इसकी समयरेखा इन परीक्षणों की सफलता पर निर्भर करेगी।

गगनयान सलाहकार परिषद की सिफारिश

गगनयान सलाहकार परिषद ने क्रू मिशन के साथ आगे बढ़ने से पहले टेस्ट व्हीकल (टीवी) और इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट का उपयोग करके चार गर्भपात मिशन के माध्यम से क्रू एस्केप सिस्टम और डेक्लेरेशन सिस्टम के लिए अतिरिक्त परीक्षण की सिफारिश की है। यह मूल रूप से योजनाबद्ध किए गए दो मानव रहित मिशनों के अतिरिक्त था।

परीक्षण प्रक्रियाएं

टीवी-डी1 को हवा में मिशन को रद्द करने की प्रक्रिया, पैराशूट सिस्टम जो क्रू मॉड्यूल को समुद्र में नीचे लाएगा, और स्प्लैशडाउन के बाद मॉड्यूल से क्रू सदस्यों की रिकवरी का परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। चालक दल के मॉड्यूल को उप-कक्षीय स्तर तक ले जाने के लिए प्रदर्शन एकल तरल प्रणोदक-आधारित रॉकेट चरण का उपयोग करेगा।

टीवी-डी1 का महत्व

परीक्षण वाहन प्रदर्शन गगनयान मिशन की प्रगति में एक आवश्यक कदम है। TV-D1 का उद्देश्य अंतरिक्ष यान और इसकी प्रणालियों की सुरक्षा और विश्वसनीयता का परीक्षण करना है, जिसमें बचाव तंत्र भी शामिल है, जो पहले की तुलना में बहुत अधिक ऊंचाई पर है। TV-D1 की सफलता आगे के परीक्षण और अंतिम चालक दल के मिशन का मार्ग प्रशस्त करेगी।

वैश्विक बोतलबंद पानी उद्योग:

वैश्विक बोतलबंद पानी उद्योग ने पिछले 50 वर्षों में उल्का वृद्धि का अनुभव किया है, जो एक प्रमुख आर्थिक क्षेत्र बन गया है। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय जल पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान और मैकमास्टर विश्वविद्यालय ने "वैश्विक बोतलबंद पानी उद्योग: प्रभाव और प्रवृत्तियों की समीक्षा: महत्वपूर्ण निष्कर्ष" शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग की वृद्धि एक महत्वपूर्ण मास्किंग है

वैश्विक समस्या - सभी के लिए विश्वसनीय पेयजल उपलब्ध कराने में सार्वजनिक प्रणालियों की विफलता।

बोतलबंद पानी उद्योग का प्रभाव

बोतलबंद पानी उद्योग का विस्तार विश्वसनीय पेयजल उपलब्ध कराने के प्रमुख सतत विकास लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति को बाधित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उद्योग की वृद्धि दीर्घकालिक सार्वजनिक जल आपूर्ति बुनियादी ढांचे के विकास और सुधार में निवेश और राज्य की भूमिका पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। निवेश जो सार्वजनिक जल प्रणालियों में सुधार की ओर जा सकते थे, उन्हें बोतलबंद पानी उद्योग की ओर मोड़ दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप उन लोगों को स्वच्छ और विश्वसनीय पानी उपलब्ध कराने में सीमित प्रगति हुई, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी। रिपोर्ट बताती है कि दुनिया हर साल बोतलबंद पानी पर जितना खर्च करती है उसका आधा बिना पानी के लाखों लोगों को साफ पानी मुहैया करा सकती है।

पानी की कमी

रिपोर्ट में उद्योग द्वारा पानी की अत्यधिक खपत और भूजल स्रोतों की कमी पर भी प्रकाश डाला गया है। विश्व स्तर पर बोतलबंद पानी का प्राथमिक स्रोत भूजल है, जो एक बहुमूल्य संसाधन है। रिपोर्ट संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस में भूजल निकालने वाले उद्योग के उदाहरणों का हवाला देती है, जिसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक पुनर्भरण में कमी आती है। दुनिया भर में दो अरब से अधिक लोग अपने प्राथमिक जल स्रोत के रूप में भूजल पर निर्भर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ क्षेत्रों में निकाले गए भूजल की मात्रा स्वाभाविक रूप से रिचार्ज की गई मात्रा से अधिक है, जिससे भूजल की कमी हो रही है। इसमें आगे कहा गया है कि सभी निकाले गए भूजल का पंद्रह प्रतिशत गैर-नवीकरणीय है। पिछले तीन दशकों में वैश्विक भूजल की कमी प्रति वर्ष 56 से 362 क्यूबिक किलोमीटर के बीच भिन्न रही है।

विभिन्न क्षेत्रों में बोतलबंद पानी उद्योग

एशिया-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक बोतलबंद पानी के बाजार का लगभग आधा हिस्सा है, और वैश्विक दक्षिण देश मिलकर लगभग 60 प्रतिशत बनाते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और इंडोनेशिया संयुक्त रूप से वैश्विक बाजार का आधा हिस्सा बनाते हैं, जर्मनी यूरोप में सबसे बड़ा बाजार है, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्र में मेक्सिको और अफ्रीका में दक्षिण अफ्रीका है। सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया वार्षिक राजस्व और प्रति व्यक्ति बेचे जाने वाले बोतलबंद पानी की मात्रा दोनों में अग्रणी हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन प्रति व्यक्ति संकेतक बहुत छोटे हैं।

पूर्वी अफ्रीकी दरार क्या है?

पूर्वी अफ्रीकी दरार एक भूगर्भीय विशेषता है जो 56 किलोमीटर तक फैली हुई है। यह पहली बार 2005 में इथियोपिया के रेगिस्तान में उभरा था। दरार की भविष्यवाणी एक नए महासागर के निर्माण और अफ्रीका को दो अलग-अलग भागों में विभाजित करने के लिए की गई है। हालांकि नई तटरेखाओं के उभरने से आर्थिक विकास के नए अवसर खुल सकते हैं, लेकिन इसके परिणाम भी होंगे जैसे लोगों की आवश्यक निकासी, जीवन की संभावित हानि और पर्यावरणीय प्रभाव।

पूर्वी अफ्रीकी दरार एक अनूठी भूवैज्ञानिक विशेषता है जो पूर्वी अफ्रीका से लाल सागर से मोज़ाम्बिक तक चलती है। दरार तीन टेक्टोनिक प्लेटों के विचलन के कारण होती है - न्युबियन प्लेट, सोमाली प्लेट और अरेबियन प्लेट। ये प्लेटें एक-दूसरे से दूर खींच रही हैं, तनाव पैदा कर रही हैं जिसके परिणामस्वरूप रिफ्ट का निर्माण होता है। पूर्वी अफ्रीकी दरार एक आकर्षक भूवैज्ञानिक चमत्कार है जिसने दुनिया भर के वैज्ञानिकों और भूवैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित किया है

एक नया महासागर और विभाजित अफ्रीका

पूर्वी अफ्रीकी दरार के कारण एक नए महासागर के उभरने की भविष्यवाणी की गई है। जैसे-जैसे प्लेटें अलग होती जाएंगी, रिफ्ट घाटी गहरी होती जाएगी और आसपास की भूमि डूब जाएगी। आखिरकार, घाटी पानी से भर जाएगी, जिससे एक नया महासागर बनेगा जो अफ्रीका को दो अलग-अलग हिस्सों में विभाजित करेगा। इसके परिणामस्वरूप युगांडा और जाम्बिया जैसे स्थलरुद्ध देश अपने स्वयं के तटरेखा प्राप्त कर लेंगे।

संभावित नकारात्मक परिणाम

दरार की प्रक्रिया वनस्पतियों और जीवों सहित बस्तियों, समुदायों और प्राकृतिक पर्यावरण को प्रभावित करेगी। समुदायों और बस्तियों का विस्थापन सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक होगा। लोगों को अपने घरों से निकालकर नए क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की आवश्यकता होगी। यह प्रक्रिया विघटनकारी होगी और संभावित रूप से जीवन की हानि हो सकती है।

राफ्टिंग प्रक्रिया का एक और संभावित नकारात्मक परिणाम पर्यावरणीय प्रभाव है। एक नए महासागर के निर्माण का आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। समुद्री जीवन नए महासागर में चला जाएगा, जबकि स्थलीय जीवन बदलते परिदृश्य के अनुकूल होने के लिए मजबूर हो जाएगा। वनस्पतियों और जीवों के विस्थापन के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए दूरगामी परिणाम होंगे और संभावित रूप से कुछ प्रजातियों के विलुप्त होने का कारण बन सकता है।

नए आर्थिक अवसरों को अनलॉक करना

संभावित नकारात्मक परिणामों के बावजूद, नई तटरेखाओं के उभरने से प्रभावित देशों के लिए नए आर्थिक अवसर खुल सकते हैं। युगांडा और जाम्बिया जैसे भू-आबद्ध देशों के पास अंततः अपने स्वयं के तट होंगे, जो अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करेंगे और व्यापार को बढ़ावा देंगे। एक नए महासागर के निर्माण से नए प्राकृतिक संसाधनों की खोज भी हो सकती है, जिससे प्रभावित देशों की अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिल सकता है।

भारत में HEAL

हील इन इंडिया भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य देश में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देना है। इस पहल का नेतृत्व स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और आयुष मंत्रालय कर रहा है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (सीडीएसी) और सर्विसेज एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एसईपीसी) मेडिकल वैल्यू ट्रैवल को बढ़ावा देने के लिए 'वन स्टेप' हील इन इंडिया पोर्टल विकसित करने के लिए मंत्रालयों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

आयुष मंत्रालय ने भारत पर्यटन विकास निगम (ITDC), पर्यटन मंत्रालय के साथ आयुर्वेद और चिकित्सा की अन्य पारंपरिक प्रणालियों में चिकित्सा मूल्य यात्रा को बढ़ावा देने के लिए एक साथ काम करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी चिकित्सा और चिकित्सा की पारंपरिक भारतीय प्रणालियों को बढ़ावा देने में मदद करेगी और भारत को चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करेगी।

मेडिकल वैल्यू ट्रैवल के लिए चैंपियन सर्विस सेक्टर स्कीम

आयुष मंत्रालय ने मेडिकल वैल्यू ट्रैवल के लिए चैंपियन सर्विस सेक्टर स्कीम नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना विकसित की। इस योजना के तहत, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग (NCISM) अधिनियम, 2020 के तहत मान्यता प्राप्त प्रणालियों के सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों / डे केयर सेंटरों की स्थापना के लिए निजी निवेशकों को ब्याज सब्सिडी के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, या वित्त वर्ष 2021-22 में राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) अधिनियम, 2020। इससे भारत में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास में मदद मिलेगी।

चिंतन शिविर और ग्लोबल आयुष इन्वेस्टमेंट एंड इनोवेशन समिट

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने हील इन इंडिया और हील बाय इंडिया को बढ़ावा देने के लिए कुछ चिंतन शिविरों का आयोजन किया। इन चिंतन शिविरों में आयुष मंत्रालय भी शामिल हुआ। भारत में पर्यटन के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए इस शिविर में कुछ कार्य बिंदुओं की पहचान की गई थी।

गांधीनगर, गुजरात में ग्लोबल आयुष इन्वेस्टमेंट एंड इनोवेशन समिट के दौरान भारत में हील-मेडिकल वैल्यू ट्रैवल पर एक गोलमेज और पूर्ण सत्र का आयोजन किया गया ताकि भारत को मेडिकल वैल्यू ट्रैवल के लिए शीर्ष गंतव्य के रूप में बढ़ावा दिया जा सके।

भारत में महिला और पुरुष 2022 रिपोर्ट

केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 16 मार्च, 2023 को भारत में महिला और पुरुष 2022 रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट से पता चला कि भारत का लिंगानुपात, या प्रति 1,000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या, 2011 में 943 से बढ़कर 952 होने की उम्मीद है। 2036 तक। हालाँकि, रिपोर्ट में देश में श्रम बल भागीदारी दरों में लैंगिक असमानता पर भी प्रकाश डाला गया है।

आयु-विशिष्ट प्रजनन दर में सुधार

लिंगानुपात में सुधार

रिपोर्ट में कहा गया है कि जन्म के समय लिंगानुपात 2017-19 में 904 से 2018-20 में तीन अंक बढ़कर 907 हो गया। 2036 तक 952 तक अनुमानित लिंगानुपात में सुधार एक सकारात्मक विकास है, लेकिन रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत में महिलाओं को अभी भी काफी हद तक श्रम बल से बाहर रखा गया है, जिससे उनकी वित्तीय स्वतंत्रता सीमित हो गई है।

श्रम बल भागीदारी दरों में लैंगिक असमानता

द वीमेन एंड मेन इन इंडिया 2022 रिपोर्ट से पता चला है कि श्रम बल भागीदारी दर में महिलाएं पुरुषों से काफी पीछे हैं। रिपोर्ट से पता चला है कि 2017-2018 से 15 वर्ष से अधिक आयु वालों के लिए श्रम बल की भागीदारी दर बढ़ रही है। हालांकि, 2021-22 में पुरुषों के लिए दर 77.2% और महिलाओं के लिए केवल 32.8% थी, वर्षों से असमानता में कोई सुधार नहीं हुआ।

कार्यस्थल पर मजदूरी और अवसरों के मामले में सामाजिक कारकों, शैक्षिक योग्यता और लैंगिक भेदभाव के कारण महिलाओं की कम भागीदारी दर हो सकती है।

मजदूरी में लैंगिक असमानताएं

रिपोर्ट में आगे मजदूरी में लैंगिक असमानता पर प्रकाश डाला गया है, ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की तुलना में अधिक कमाते हैं। सार्वजनिक कार्यों के अलावा अन्य कार्यों में दिहाड़ी मजदूरों द्वारा प्रति दिन अर्जित औसत मजदूरी ही इस असमानता को बढ़ाती है।

जनसंख्या रुझान

द वीमेन एंड मेन इन इंडिया 2022 रिपोर्ट में भारत की आयु और लिंग संरचना को भी शामिल किया गया है। जनसंख्या वृद्धि, जो 1971 के बाद से नीचे की ओर रही है, 2036 में 0.58% तक और गिरने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जनसंख्या पिरामिड एक बदलाव से गुजरेगा, जिसमें पिरामिड का आधार संकरा हो जाएगा जबकि मध्य चौड़ा हो जाएगा। .

हेल्थकेयर तक पहुंच

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लिंग लोगों की स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और अनुभव को प्रभावित करता है, गतिशीलता पर प्रतिबंध, संसाधनों तक पहुंच और निर्णय लेने की शक्ति की कमी के कारण महिलाओं और लड़कियों को पुरुषों और लड़कों की तुलना में अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

आयु-विशिष्ट प्रजनन दर में सुधार

आयु-विशिष्ट प्रजनन दर में सुधार हुआ है, 2016 और 2020 के बीच 20-24 वर्ष और 25-29 वर्ष आयु वर्ग में जीवित जन्मों की संख्या क्रमशः 135.4 और 166.0 से घटकर 113.6 और 139.6 हो गई है। यह सुधार उचित शिक्षा और नौकरी हासिल करने के माध्यम से आर्थिक स्वतंत्रता के कारण संभव है।

जनरेटिव एआई

जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इस साल सुर्खियां बटोर रहा है, क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट और अल्फाबेट जैसी प्रमुख तकनीकी कंपनियां प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाले उत्पादों को लॉन्च करने की दौड़ में हैं। इस लेख में, हम जेनेरेटिव एआई के बारे में जानने के लिए आवश्यक हर चीज पर चर्चा करेंगे, जिसमें इसकी परिभाषा, उपयोग, सरोकार और Google और Microsoft जैसे उद्योग के दिग्गजों की भागीदारी शामिल है।

जनरेटिव एआई, एआई के अन्य रूपों की तरह, पिछले डेटा से कार्रवाई करना सीखता है। हालाँकि, यह केवल डेटा को वर्गीकृत करने या पहचानने से परे है और उस प्रशिक्षण के आधार पर एकदम नई सामग्री, जैसे पाठ, चित्र और कंप्यूटर कोड बनाता है। जेनेरेटिव एआई का एक प्रसिद्ध उदाहरण चैटजीपीटी है, जो 2022 में माइक्रोसॉफ्ट समर्थित ओपनएआई द्वारा जारी किया गया एक चैटबॉट है। यह टेक्स्ट प्रॉम्प्ट के आधार पर मानव जैसी प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करने के लिए एक बड़े भाषा मॉडल का उपयोग करता है। OpenAI ने हाल ही में GPT-4 की भी घोषणा की, एक नया मल्टीमॉडल मॉडल जो पाठ और छवियों को देख सकता है, जिससे यह हाथ से तैयार किए गए मॉक-अप से वास्तविक वेबसाइट बनाने की अनुमति देता है।

जनरेटिव एआई किसके लिए अच्छा है?

जनरेटिव एआई के विभिन्न व्यावहारिक अनुप्रयोग हैं, जैसे मार्केटिंग कॉपी का पहला ड्राफ्ट बनाना, वर्चुअल मीटिंग के दौरान नोट्स लेना, ईमेल को वैयक्तिकृत करना और स्लाइड प्रेजेंटेशन तैयार करना। उदाहरण के लिए, CarMax Inc ने ग्राहकों की समीक्षाओं को सारांशित करने और दुकानदारों को यह तय करने में मदद करने के लिए OpenAI की तकनीक के एक संस्करण का उपयोग किया है कि कौन सी कार खरीदनी है।

जनरेटिव एआई के बारे में चिंताएं क्या हैं?

हालांकि जनरेटिव एआई के कई फायदे हैं, लेकिन इसके संभावित दुरुपयोग को लेकर चिंताएं हैं। स्कूल सिस्टम को चिंता है कि छात्र एआई-ड्राफ्टेड निबंधों में बदल सकते हैं, जिससे सीखने का मूल्य कम हो जाता है। साइबर सुरक्षा शोधकर्ताओं को डर है कि सरकार सहित खराब अभिनेता अधिक गलत सूचना उत्पन्न करने के लिए जनरेटिव एआई का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकी गलतियाँ करने के लिए प्रवृत्त है, जैसे तथ्यात्मक अशुद्धियाँ और अनिश्चित प्रतिक्रियाएँ।

क्या जनरेटिव AI केवल Google और Microsoft के लिए है?

जबकि Google और Microsoft बड़े भाषा मॉडल में अनुसंधान और निवेश में सबसे आगे हैं, अन्य कंपनियां भी दूसरों से अपनी प्रतिस्पर्धी AI या पैकेजिंग तकनीक बना रही हैं। उदाहरण के लिए, सेल्सफोर्स इंक और एडेप्ट एआई लैब्स उन कंपनियों में से हैं, जिन्होंने जेनेरेटिव एआई को अपनाया है।

अंतर्राष्ट्रीय एसएमई कन्वेंशन 2023

इंटरनेशनल एसएमई कन्वेंशन 2023 (आईएससी) का तीसरा संस्करण इस साल 19 से 21 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत के प्रमुख चार प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, अर्थात् क्लीनटेक और हरित ऊर्जा, विनिर्माण, सेवा क्षेत्र और कृषि खाद्य प्रसंस्करण और कृषि कार्यान्वयन क्षेत्र। ये क्षेत्र भारत के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं और इनमें रोजगार सृजन और सतत विकास की अपार संभावनाएं हैं।

आईएससी 2023 एक ऐसा मंच है जो महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने और विकास और स्थिरता के अवसरों का पता लगाने के लिए एसएमई, नीति निर्माताओं और उद्योग विशेषज्ञों को एक साथ लाता है। यह संयुक्त रूप से एमएसएमई और बाहरी मामलों के केंद्रीय मंत्रालयों और भारत एसएमई फोरम द्वारा आयोजित किया जाता है। मध्य प्रदेश सरकार इस आयोजन के लिए प्रमुख राज्य भागीदार है और उत्तर प्रदेश सरकार सहयोगी राज्य भागीदार है।

सम्मेलन कई पैनल चर्चाओं की मेजबानी करेगा, जिसका उद्देश्य एमएसएमई के लिए स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और एसएमई को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में जोड़ने के लिए कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि और सिफारिशें प्रदान करना होगा। चर्चाओं में रणनीतिक साझेदारी बनाने, डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने, नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने, मानकों और विनियमों का पालन करने और वित्त तक पहुंच जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा।

पावर बिजनेस ब्रेकफास्ट एंड नेटवर्किंग

कॉन्फ्रेंस सत्रों के अलावा, ISC 2023 में तीन दिनों का पावर बिज़नेस ब्रेकफ़ास्ट और समान विचारधारा वाले, सफल उद्यमियों और बिज़नेस लीडर्स के साथ नेटवर्किंग की भी सुविधा होगी। सत्र एसएमई को नेटवर्क बनाने, विचार साझा करने और व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय भागीदार और बीमा भागीदार

ISC 2023 ने अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के रूप में SMEs (INSME) के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क और लघु और मध्यम उद्यमों के विश्व संघ (WUSME) के साथ भागीदारी की है। टाटा एआईए सम्मेलन का बीमा भागीदार है, जो एसएमई के लिए जोखिम प्रबंधन के महत्व को रेखांकित करता है।

राजस्थान अधिवक्ता संरक्षण विधेयक, 2023

राजस्थान अधिवक्ता संरक्षण विधेयक, 2023, राजस्थान सरकार द्वारा 16 मार्च को राज्य विधानसभा में पेश किया गया था। इस विधेयक का उद्देश्य अधिवक्ताओं के खिलाफ अपराधों को रोकना है, जैसे कि मारपीट, गंभीर चोट, आपराधिक बल और आपराधिक धमकी, नुकसान या उनकी संपत्ति को नुकसान। अधिवक्ताओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा और झूठे निहितार्थों के जवाब में विधेयक पेश किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप कानून और व्यवस्था बिगड़ गई और न्याय प्रणाली में देरी हुई।
जोधपुर के एक वकील जुगराज चौहान की 18 फरवरी को दिनदहाड़े दो लोगों द्वारा छुरा घोंपने के बाद विधेयक का प्रस्ताव आया। इस घटना के बाद, राज्य की कई अदालतों के अधिवक्ताओं ने हड़ताल और न्यायिक कार्य का अनिश्चितकालीन बहिष्कार करने का आह्वान किया। . . उन्होंने अधिवक्ताओं और उनके परिवारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने की मांग की। 28 फरवरी को राजस्थानज कोर्ट ने वकीलों की हड़ताल का स्वत: संज्ञान लिया और दोहराया कि किसी भी वकील या वादी को अदालत में प्रवेश करने और मामले पर बहस करने के लिए अदालत में पेश होने से रोकने के लिए किए गए किसी भी प्रयास को सख्ती से देखा जाएगा।

विधेयक का उद्देश्य

विधेयक का उद्देश्य एक प्रभावी कानून बनाना है जो राज्य में अधिवक्ताओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा और झूठे प्रभाव को रोकता है। इसका उद्देश्य अधिवक्ताओं को पुलिस सुरक्षा प्रदान करते हुए राजस्थान के क्षेत्र में अधिवक्ताओं के खिलाफ अपराध को संज्ञेय बनाना है। बिल एडवोकेट को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है जो एडवोकेट्स एक्ट, 1961 के प्रावधानों के तहत किसी भी भूमिका में शामिल है।

दंड

विधेयक धारा 5(1) के तहत एक वकील के खिलाफ हमले या आपराधिक बल के लिए 25,000 रुपये तक के जुर्माने के साथ अधिकतम दो साल के कारावास का प्रावधान करता है। एक वकील को स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाने के लिए धारा 5(2) में अधिकतम सात साल की कैद और 50,000 रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। इस बीच, धारा 5 (3) एक वकील के खिलाफ आपराधिक धमकी के अपराध के स्वैच्छिक आयोग को अधिकतम दो साल के कारावास और 10,000 रुपये तक के जुर्माने की सजा देता है।

मुआवजा और नुकसान

विधेयक की धारा 8 अधिवक्ताओं को मुआवजे का प्रावधान करती है जब कोई अदालत जुर्माने की सजा या कोई अन्य सजा जिसका जुर्माना एक हिस्सा हो, आरोपित करती है। धारा 10 में कहा गया है कि धारा 5 में निर्दिष्ट सजा के अलावा, अपराधी वकील की संपत्ति को हुए नुकसान या क्षति के लिए भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होगा, जैसा कि अदालत द्वारा निर्धारित किया जा सकता है। अपराधी एक वकील द्वारा किए गए चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति के लिए भी उत्तरदायी होगा।

अधिवक्ताओं का अभियोजन

विधेयक की धारा 9 के तहत, अधिवक्ताओं पर स्वयं मुकदमा चलाया जा सकता है यदि उनके मुवक्किल या विरोधी मुवक्किल से उनके पेशेवर कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान अधिवक्ता द्वारा किए गए कार्य के खिलाफ संज्ञेय अपराध की रिपोर्ट प्राप्त होती है। सात दिनों के भीतर पुलिस उपाधीक्षक के पद से नीचे के पुलिस अधिकारी द्वारा जांच किए जाने के बाद ही शिकायत दर्ज की जा सकती है।

युविका

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) में करियर बनाने और अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक जुनून विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए युवा विज्ञान कार्यक्रम (YUVIKA) कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, इसरो का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान करना और उनका पोषण करना है, जिनकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी में गहरी रुचि है और उन्हें भविष्य के अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनने के लिए प्रेरित करता है। इस कार्यक्रम के लिए हाल ही में आवेदन खोले गए हैं।

युविका कार्यक्रम पूरे भारत के 9वीं कक्षा (या समकक्ष) के छात्रों के लिए खुला है। कार्यक्रम प्रत्येक राज्य / केंद्र शासित प्रदेश से तीन छात्रों का चयन करता है, और उन्हें देश भर के विभिन्न इसरो केंद्रों में दो सप्ताह के आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे बच्चों को अंतरिक्ष विज्ञान, अंतरिक्ष अनुप्रयोगों और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के चमत्कारों का पता लगाने का अवसर प्रदान करना है।

युविका कार्यक्रम का पाठ्यक्रम

युविका कार्यक्रम एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान करता है जिसमें अंतरिक्ष विज्ञान, अंतरिक्ष अनुप्रयोगों और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से संबंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। कार्यक्रम में अंतरिक्ष विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र और व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल हैं। पाठ्यक्रम को छात्रों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने और उन्हें अंतरिक्ष क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

छात्रों में जागरूकता पैदा करना

युविका कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्यों में से एक अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उभरते रुझानों के बारे में छोटे बच्चों में जागरूकता पैदा करना है। कार्यक्रम छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने और क्षेत्र में नवीनतम विकास और प्रगति में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इससे छात्रों को अंतरिक्ष क्षेत्र में नवीनतम रुझानों से अपडेट रहने और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने में मदद मिलती है।

समस्या समाधान कौशल का विकास करना

YUVIKA प्रोग्राम छात्रों में जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम छात्रों को लीक से हटकर सोचने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं के अभिनव समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह दृष्टिकोण न केवल उनके वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ाता है बल्कि उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करता है।

इंडोनेशियाई लोकपाल ने केंद्र सरकार से स्थानीय सरकार द्वारा चलाए जा रहे मुकदमे में हस्तक्षेप करने के लिए कहा है। महिला अधिकारिता और बाल संरक्षण मंत्रालय और इंडोनेशियाई बाल संरक्षण आयोग ने भी नीति की समीक्षा की मांग की है।

नीति को समाप्त करने के आह्वान के बावजूद, स्थानीय सरकार अभी भी अपने प्रयोग को जारी रखे हुए है। प्रयोग को स्थानीय शिक्षा एजेंसी तक भी बढ़ा दिया गया है, जहाँ सिविल सेवक अब अपना दिन सुबह 5:30 बजे शुरू करते हैं।

एटीएल सारथी क्या है?

अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) - भारत में सरकार के नेतृत्व वाले थिंक टैंक नीति आयोग ने स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक व्यापक स्व-निगरानी ढांचा एटीएल सारथी लॉन्च किया है। एआईएम ने युवा छात्रों के बीच जिज्ञासा, कल्पना और रचनात्मकता को बढ़ावा देने और कम्प्यूटेशनल सोच, भौतिक कंप्यूटिंग और डिजाइन सोच जैसे कौशल विकसित करने के लिए भारत में 10,000 एटीएल स्थापित किए हैं।

एटीएल के प्रदर्शन को बढ़ाने और वांछित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एटीएल सारथी को लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य एक निगरानी और मूल्यांकन ढांचा प्रदान करना है जो एटीएल के कामकाज में सुधार करने में मदद कर सके।

ATL सारथी के चार स्तंभ हैं:

स्व-रिपोर्टिंग डैशबोर्ड: AIM ने ATL के प्रदर्शन को ट्रैक करने के लिए "MyATL डैशबोर्ड" के रूप में जाना जाने वाला एक स्व-रिपोर्टिंग डैशबोर्ड विकसित किया है। डैशबोर्ड को प्रत्येक एटीएल की गतिविधियों और उपलब्धियों पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्कूल अपनी प्रगति और उपलब्धियों पर स्व-रिपोर्ट कर सकते हैं, जिसका विश्लेषण अधिकारियों द्वारा प्रत्येक एटीएल की ताकत और कमजोरियों को समझने के लिए किया जा सकता है।

अनुपालन SOPs: AIM ने वित्तीय और गैर-वित्तीय अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOPs) का एक सेट विकसित किया है। ये एसओपी सुनिश्चित करते हैं कि एटीएल एआईएम और सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों का पालन करते हैं। यह कदम सुनिश्चित करेगा कि एटीएल के लिए आवंटित धन कुशलतापूर्वक खर्च किया जाए।

क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण: एआईएम ने एटीएल के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण पेश किया है। इस दृष्टिकोण में एक विशेष क्षेत्र में 20-30 एटीएल के समूह बनाना शामिल है। ये एटीएल प्रशिक्षण, सहयोग, घटनाओं और सर्वोत्तम प्रथाओं के माध्यम से एक दूसरे से सीख सकते हैं। एटीएल क्लस्टर का उद्देश्य सक्षमता और निगरानी के लिए एक स्व-स्थायी मॉडल प्रदान करना है, जिसमें एटीएल और स्थानीय प्राधिकरण एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करते हैं।

प्रदर्शन-सक्षमता मैट्रिक्स: एआईएम ने प्रदर्शन-सक्षमता (पीई) मैट्रिक्स के माध्यम से अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए स्कूलों को स्वामित्व प्रदान किया है। यह मैट्रिक्स स्कूलों को अपने प्रदर्शन का आकलन करने और जरूरत पड़ने पर सुधारात्मक उपाय करने में सक्षम बनाएगा। स्कूल इस मैट्रिक्स का उपयोग अपनी प्रगति और उपलब्धियों का मूल्यांकन करने और अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए कर सकते हैं।

13वां अभ्यास बोल्ड कुरुक्षेत्र:

भारत और सिंगापुर की सेनाओं के बीच एक द्विपक्षीय कवच अभ्यास बोल्ड कुरुक्षेत्र का 13वां संस्करण 6 मार्च से 13 मार्च, 2023 तक जोधपुर सैन्य स्टेशन, भारत में आयोजित किया गया था। इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य सहयोग को बढ़ाना, यंत्रीकृत युद्ध की एक आम समझ बनाना, उभरते खतरों का मुकाबला करना और उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुकूल होना है। इसने दोनों सेनाओं को आधुनिक युद्ध क्षेत्र में विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने का अवसर भी प्रदान किया।

एल रक्षा संबंध

कमांड पोस्ट अभ्यास में दोनों सेनाओं की भागीदारी

एक्सरसाइज बोल्ड कुरुक्षेत्र के 2023 संस्करण ने पहली बार चिह्नित किया कि दोनों सेनाओं ने कमांड पोस्ट अभ्यास में भाग लिया। इसमें बटालियन और ब्रिगेड स्तर के नियोजन तत्व और कंप्यूटर वॉरगेमिंग शामिल थे। इस अभ्यास में 42वीं बटालियन, सिंगापुर आर्मर्ड रेजिमेंट और भारतीय सेना की आर्मर्ड ब्रिगेड के सैनिकों ने हिस्सा लिया। संयुक्त प्रशिक्षण एक संयुक्त कमांड पोस्ट के माध्यम से नियंत्रित संयुक्त परिचालन और सामरिक प्रक्रियाओं का उपयोग करके एक कंप्यूटर सिमुलेशन-आधारित वॉरगेम के माध्यम से इंटरऑपरेबिलिटी विकसित करने पर केंद्रित था।

एक्सरसाइज बोल्ड कुरुक्षेत्र के उद्देश्य

इस अभ्यास का उद्देश्य उभरते हुए खतरों और उभरती प्रौद्योगिकियों में यंत्रीकृत युद्ध की एक आम समझ को बढ़ावा देना है। इसने दोनों टुकड़ियों को एक-दूसरे के संचालन अभ्यास और प्रक्रियाओं के बारे में जानने का अवसर प्रदान किया, साथ ही आधुनिक युद्ध क्षेत्र में विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान किया।

सिविल-20 भारत 2023 स्थापना सम्मेलन

सिविल -20 इंडिया 2023 इंसेप्शन कॉन्फ्रेंस ने अपना पहला पूर्ण सत्र नागपुर, महाराष्ट्र में "पर्यावरण के साथ विकास संतुलन" की थीम के साथ शुरू किया। इस सत्र में C20 इंडिया 2023 के चार कार्यकारी समूहों को शामिल किया गया, जिसमें एकीकृत समग्र स्वास्थ्य, सतत और लचीला समुदाय, LiFE और नदियों और जल प्रबंधन का पुनरुद्धार शामिल है। सत्र की अध्यक्षता पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त सत्यानंद मिश्रा ने की थी और इसमें विभिन्न क्षेत्रों के वक्ता शामिल थे जिन्होंने विकास के लिए एक सतत और पर्यावरण-केंद्रित दृष्टिकोण की तत्काल आवश्यकता को संबोधित किया।

वक्ताओं ने अपने परिवेश और प्रकृति पर मनुष्यों की अन्योन्याश्रितता पर प्रकाश डालते हुए इस बात पर जोर दिया कि हम प्रकृति से अलग नहीं बल्कि उसका एक हिस्सा हैं। उन्होंने चर्चा की कि कैसे जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय चुनौतियों का मानव स्वास्थ्य और भलाई पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है, विशेष रूप से कमजोर समुदायों के लिए। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, उन्होंने स्वास्थ्य के लिए एक एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया जिसमें मानसिक, शारीरिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य शामिल है।

सतत और लचीला समुदाय

सतत और लचीला समुदायों पर कार्य समूह ने सतत विकास की तत्काल आवश्यकता को संबोधित किया जो पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक विकास को संतुलित करता है। उन्होंने स्थानीय ज्ञान और प्रथाओं के साथ-साथ सरकार, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के बीच साझेदारी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए समुदाय संचालित समाधानों के महत्व पर चर्चा की।

LiFE: आजीविका, वन और पर्यावरण

LiFE कार्यकारी समूह ने वनों और जैव विविधता की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया, जो आजीविका को बनाए रखने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कृषि, वानिकी और अन्य क्षेत्रों से संबंधित नीतियों और कार्यक्रमों में पर्यावरणीय विचारों को एकीकृत करने के महत्व पर चर्चा की।

नदियों का पुनरुद्धार और जल प्रबंधन

नदियों के पुनरुद्धार और जल प्रबंधन पर कार्य समूह ने जल प्रबंधन के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर चर्चा की जो किसानों, शहरी निवासियों और उद्योगों सहित सभी हितधारकों की जरूरतों को ध्यान में रखता है। उन्होंने सभी के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थायी जल उपयोग, संरक्षण और प्रबंधन प्रथाओं के महत्व पर जोर दिया।

पर्यावरण-केंद्रित जीवन शैली पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान

सत्र पर्यावरण-केंद्रित जीवन शैली पर ध्यान केंद्रित करने के आह्वान के साथ समाप्त हुआ जो प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत उपयोग को प्राथमिकता देता है। वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और पर्यावरणीय गिरावट की चुनौतियों का समाधान करने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास के सभी पहलुओं में पर्यावरण संबंधी विचारों को प्राथमिकता दिए जाने पर ही एक स्थायी और लचीला भविष्य संभव है।

यूटिलिटी बिडर की वनों की कटाई रिपोर्ट

यूटिलिटी बिडर द्वारा वनों की कटाई की रिपोर्ट से पता चला है कि भारत ने पिछले 30 वर्षों में वनों की कटाई में सबसे अधिक वृद्धि देखी है। देश ने 1990 और 2000 के बीच 384,000 हेक्टेयर (हेक्टेयर) जंगलों को खो दिया, लेकिन यह आंकड़ा 2015 और 2020 के बीच बढ़कर 668,400 हेक्टेयर हो गया। यह प्रवृत्ति भारत को ब्राजील के बाद वनों की कटाई के मामले में दूसरा सबसे बड़ा देश बनाती है। रिपोर्ट में डेटा एग्रीगेटर अवर वर्ल्ड इन डेटा के 1990 से 2000 और 2015 से 2020 तक के आंकड़ों का उपयोग करके 98 देशों में वनों की कटाई के रुझानों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के कुछ प्रमुख बिंदु यहां दिए गए हैं।

- लॉगिंग वनों की कटाई के लिए जिम्मेदार तीसरा सबसे बड़ा कारक है
- भारत वनों की कटाई की कीमत पर जनसंख्या में वृद्धि के लिए क्षतिपूर्ति करता है
- ब्राजील जलवायु परिवर्तन के कारण वनों को खो रहा है
- अधिकांश वनों की कटाई के लिए जिम्मेदार मवेशी पालन और तिलहन की खेती
- रिपोर्ट में कहा गया है कि पशुपालन और तिलहन की खेती वैश्विक वनों की कटाई के प्रमुख कारण हैं। अकेले मवेशी पालन से 2,105,753 हेक्टेयर वनों का वार्षिक नुकसान होता है, इसके बाद तिलहन की खेती से 950,609 हेक्टेयर का नुकसान होता है।
- ताड़ के तेल की खेती से इंडोनेशिया में वनों की कटाई होती है
- ताड़ के तेल की खेती के कारण इंडोनेशिया में वनों का भारी नुकसान हुआ, जिससे 650,000 हेक्टेयर वन नष्ट हो गए। वनों की कटाई के मामले में यह विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है।

सोयाबीन की खेती वनों की कटाई का एक और चालक है

जबकि ताड़ का तेल कई वर्षों से वनों की कटाई का एक बड़ा चालक रहा है, वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण वनों की कटाई के लिए सोयाबीन की खेती भी जिम्मेदार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोयाबीन की खेती के लिए जगह बनाने के लिए कई हेक्टेयर घास के मैदान और जंगलों को नष्ट कर दिया गया है।

लॉगिंग वनों की कटाई के लिए जिम्मेदार तीसरा सबसे बड़ा कारक है

लॉगिंग वनों की कटाई के लिए जिम्मेदार तीसरा सबसे बड़ा कारक है, जिससे विश्व स्तर पर लगभग 678,744 हेक्टेयर वार्षिक वनों की कटाई होती है।

भारत वनों की कटाई की कीमत पर जनसंख्या में वृद्धि के लिए क्षतिपूर्ति करता है

रिपोर्ट बताती है कि भारत को दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले देश के रूप में अपनी स्थिति के कारण निवासियों में वृद्धि की भरपाई करनी पड़ी है। यह वनों की कटाई की कीमत पर आया है, जिससे यह वनों की कटाई में सबसे बड़ी वृद्धि वाला देश बन गया है1990 से 2020 तक, वानिकी हानि में 284,400 हेक्टेयर के अंतर के साथ।

ब्राजील जलवायु परिवर्तन के कारण वनों को खो रहा है

वनों की कटाई के मामले में ब्राजील विश्व स्तर पर पहले स्थान पर है, 2015 और 2020 के बीच 1,695,700 हेक्टेयर वनों को खो दिया है। हालांकि, यह 1990 और 2000 के बीच 4,254,800 हेक्टेयर के नुकसान से बहुत कम है। अधिकांश वन जलवायु परिवर्तन के कारण नष्ट हो गए।

डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक सम्मेलन - 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को अंतिम नागरिक तक ले जाना'

भारत का केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के साथ साझेदारी में, 20 और 21 मार्च, 2023 को नई दिल्ली में डिजिटल स्वास्थ्य पर एक वैश्विक सम्मेलन आयोजित कर रहा है। "सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज लेना" विषय के साथ अंतिम नागरिक के लिए, "सम्मेलन स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों की क्षमता की खोज पर केंद्रित था।

सम्मेलन में अपने आभासी संबोधन में, भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में क्रांति लाने में डिजिटल स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। सम्मेलन में वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के नेताओं ने भाग लिया।

डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं पर आम सहमति बनाना

भारत का उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक प्रमुख समर्थक के रूप में डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के प्रचार पर आम सहमति बनाने के लिए एक संस्थागत ढांचे के रूप में डिजिटल स्वास्थ्य पर एक वैश्विक पहल शुरू करना है। पहल स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने के लिए डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

डिजिटल स्वास्थ्य समाधान, जैसे टेलीमेडिसिन, स्वास्थ्य सूचना प्रणाली और एमहेल्थ में स्वास्थ्य देखभाल वितरण में अंतराल को पाटने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने की क्षमता है। इन तकनीकों का लाभ उठाकर, स्वास्थ्य सेवा प्रदाता दूरस्थ और कम सेवा वाले क्षेत्रों में भी अधिक रोगियों तक पहुँच सकते हैं, और उन्हें समय पर और लागत प्रभावी देखभाल प्रदान कर सकते हैं।

हेल्थकेयर पहुंच और गुणवत्ता में सुधार

डिजिटल स्वास्थ्य समाधान भी दूरस्थ परामर्श और निगरानी को सक्षम करके स्वास्थ्य सेवा की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। मरीज अपने घरों में आराम से स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से परामर्श कर सकते हैं, यात्रा की आवश्यकता को कम कर सकते हैं और संक्रामक रोगों के जोखिम को कम कर सकते हैं।

पहनने योग्य और सेंसर जैसी दूरस्थ निगरानी प्रौद्योगिकियां स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति पर वास्तविक समय डेटा प्रदान कर सकती हैं, जिससे पुरानी स्थितियों का शीघ्र पता लगाने और हस्तक्षेप करने में मदद मिलती है। इससे बेहतर स्वास्थ्य परिणाम और स्वास्थ्य देखभाल लागत कम हो सकती है।

स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत बनाना

डिजिटल स्वास्थ्य समाधान डेटा संग्रह और विश्लेषण में सुधार करके स्वास्थ्य प्रणालियों को भी मजबूत कर सकते हैं। डिजिटल स्वास्थ्य सूचना प्रणाली वास्तविक समय में रोगी डेटा पर कब्जा कर सकती है, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को सूचित निर्णय लेने और स्वास्थ्य लक्ष्यों की दिशा में प्रगति को ट्रैक करने में सक्षम बनाती है।

इसके अलावा, डिजिटल समाधान विभिन्न स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और प्रणालियों में स्वास्थ्य डेटा साझा करने, देखभाल समन्वय और देखभाल की निरंतरता में सुधार करने में सक्षम हो सकते हैं। यह जटिल स्वास्थ्य आवश्यकताओं वाले रोगियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकता है जिन्हें कई प्रदाताओं से देखभाल की आवश्यकता होती है।

बुरुंडी: 30 वर्षों में पहला पोलियो प्रकोप

लैंडलॉक पूर्वी अफ्रीकी देश बुरुंडी ने 30 वर्षों में अपना पहला पोलियो प्रकोप घोषित किया है। पश्चिमी बुरुंडी के इस्ले जिले में एक चार वर्षीय बच्चे के साथ उसके संपर्क में आने वाले दो अन्य बच्चों में वैक्सीन से जुड़े पोलियो का पता चलने के बाद प्रकोप की पुष्टि हुई। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र से अपशिष्ट जल की पर्यावरणीय निगरानी के पांच नमूनों में पोलियोवायरस टाइप 2 का पता चला था।

पोलियोवायरस टाइप 2: ओरल पोलियो वैक्सीन में निहित वायरस का एक कमजोर तनाव

पोलियोवायरस टाइप 2 ओरल पोलियो वैक्सीन में निहित वायरस का एक कमजोर तनाव है। वायरस लंबे समय तक कम-प्रतिरक्षित आबादी के बीच फैल सकता है, जिससे टीके से जुड़े संक्रमण हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ ने नोट किया है कि टाइप 2 संक्रमण बच्चों में तीव्र फ्लेसीड पक्षाघात का कारण बन सकता है, जो कम मांसपेशियों की टोन के साथ कमजोरी या पक्षाघात की तीव्र शुरुआत की विशेषता है।

अफ्रीका में पोलियोवायरस टाइप 2 की कम प्रतिरक्षा और व्यापकता

पोलियो के खिलाफ बुरुंडी का आखिरी टीकाकरण अभियान 2016 में था, और वायरस के खिलाफ देश की प्रतिरोधक क्षमता बहुत कम मानी जाती है। डब्ल्यूएचओ ने यह भी बताया है कि अफ्रीका में पोलियोवायरस टाइप 2 का प्रसार पोलियो का सबसे प्रचलित रूप है, जिसके 2022 में 14 देशों में 400 से अधिक मामले सामने आए हैं।

बुरुंडियन सरकार की प्रतिक्रिया

बुरुंडियन सरकार आने वाले हफ्तों में 7 साल तक के बच्चों के लिए पोलियो वैक्सीन अभियान की योजना बना रही है, और अधिक नमूने भी एकत्र कर रही है और मजबूत निगरानी के लिए अधिक पर्यावरण निगरानी साइटों को खोलने के विचार पर विचार कर रही है।

ओरल पोलियो वैक्सीन की सुरक्षा और प्रभावकारिता संबंधी चिंताएँ

जबकि चार-खुराक वाला टीका पोलियो के खिलाफ सबसे अच्छा संरक्षण है, मौखिक टीका प्रति 2 मिलियन खुराक में लगभग दो से चार बच्चों में बीमारी का कारण बन सकता है। हाल के वर्षों में, ओरल पोलियो वैक्सीन ने जंगली पोलियो वायरस की तुलना में पोलियो के अधिक मामले पैदा किए हैं, जिससे वैक्सीन की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में चिंताएँ पैदा हुई हैं।

बच्चों की सुरक्षा में समय पर कार्रवाई की जरूरत है

पोलियो का कोई इलाज नहीं है, जो ज्यादातर पांच साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रभावी रोग निगरानी के लिए बुरुंडियन सरकार की सराहना की है, और जोर देकर कहा है कि प्रभावी टीकाकरण के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा के लिए समय पर कार्रवाई महत्वपूर्ण है।

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियो का प्रकोप

बुरुंडी के अलावा, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के पूर्वी तांगान्यिका और दक्षिण किवु प्रांतों में छह बच्चों में वैक्सीन से जुड़ा पोलियो वायरस भी पाया गया है। टीके से प्राप्त पोलियो के वैश्विक प्रसार को अभी भी विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा एक उच्च जोखिम माना जाता है, और संगठन ने इस बीमारी के उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया है।

विश्व गौरैया दिवस –

20 मार्च 2023 को विश्व गौरैया दिवस मनाने के लिए दुनिया एक बार फिर एक साथ आई। यह विशेष दिन गौरैया और अन्य आम पक्षियों के संरक्षण और संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है, जिनकी आबादी विश्व स्तर पर घट रही है। "आई लव स्पैरो" थीम के साथ, विश्व गौरैया दिवस 2023 का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को मनुष्यों और गौरैया के बीच के रिश्ते की सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

विश्व गौरैया दिवस का विचार नेचर फॉरएवर सोसाइटी के कार्यालय में एक बातचीत से पैदा हुआ था। दिन का पहला स्मरणोत्सव 2010 में हुआ था, और तब से यह प्रतिवर्ष मनाया जाता है। द नेचर फॉरएवर सोसाइटी के संस्थापक, मोहम्मद दिलावर को गौरैया के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उनके प्रयासों के लिए टाइम पत्रिका द्वारा एक संरक्षण नायक नामित किया गया था।

विश्व गौरैया दिवस का लक्ष्य घरेलू गौरैया और अन्य आम पक्षियों के संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा देना है, साथ ही आम जैव विविधता की सुंदरता को याद करना है जिसे हम अक्सर महत्व नहीं देते हैं।

विश्व गौरैया दिवस का महत्व

गौरैयों को एक क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य के संकेतक के रूप में जाना जाता है, और उनकी घटती आबादी चिंता का कारण है। यह दिन दुनिया भर में कई तरह से मनाया जाता है, जिसमें बर्ड-वाचिंग, बर्डहाउस बनाना और शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं।

विश्व गौरैया दिवस मानव-गौरैया के रिश्ते का उत्सव है और इन प्यारे पक्षियों और उनके आवासों की रक्षा के लिए कार्रवाई का आह्वान है। गौरैया हजारों सालों से मानव साथी रही हैं, लेकिन हाल के वर्षों में उनकी आबादी तेजी से घट रही है। दिन का लक्ष्य उनकी दुर्दशा के बारे में जागरूकता बढ़ाना और दुनिया भर के लोगों और संगठनों को उनकी रक्षा के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करना है।